C.H.B गुरु कृपा ॐ नमः शिवाय
MRF APOLLO TYRES LTD. CEAT BIRLA TYRES DUNLOP
हरिओम
टायर्स कम्पनी
सभी गाड़ियों के टायर व ट्यूब के अधिकृत रिटेल विक्रेता
ए-2/32, मेन वजीराबाद रोड, भजनपुरा, दिल्ली-53 (नियर खजूरी लालबत्ती)
चौधरी उम्मेद सिंह
(M.)9871975766,
9811135766, 9999316898

R.N.I. 64632/96
DL(E)-21/5345/2014-2016
दिल्ली एवं चण्डीगढ़ से प्रकाशित

साप्ताहिक हिन्द प्रहरी

संपादकीय कार्यालय: ए-2/32, वजीराबाद रोड़, भजनपुरा, नई दिल्ली-110053, फोन: 9311086751
ई-मेल: hindprahari@gmail.com
■ दिल्ली ■ वर्ष 21 ■ अंक 30 ■ शनिवार, 24 दिसम्बर से 30 दिसम्बर 2016 तक ■ मूल्य/2-रू0 ■ पृष्ठ-8

M:9654901152
Bunty
V. Bhasin Automobiles
Mechanical Repairing Centre
ALL TYPE PETROL CARS & L.P.G. & C.N.G
A-2/32, Main Wazirabad Road, Near Khajuri Chowk, Bhajanpura, Delhi-110053

जीतने तक जारी रहेगी काले धन और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई-प्रधानमंत्री

बी.आर.चौहान

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नोटबंदी को काले धन और भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ा हमला बताते हुए कहा है कि यह लड़ाई तब तक जारी रहेगी, जब तक हम जीतेंगे नहीं। उन्होंने कहा कि नोटबंदी की घोषणा के 50 दिन बाद ईमानदार लोगों की तकलीफें तो कम होंगी, लेकिन बेईमानों की तकलीफ बढ़नी शुरू हो जाएगी। अब जो समय आ रहा है, वह बेईमानों की बर्बादी का होगा। मोदी ने कहा कि बेईमान लोग सही रास्ते पर लौट आएं। उन्हें फांसी पर नहीं चढ़ाएंगे। मुंबई में शिवाजी स्मारक के लिए भूमिपूजन करने के बाद प्रधानमंत्री ने बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में एक जनसभा को संबोधित किया।

प्रधानमंत्री ने साफ शब्दों में कहा कि बेईमान बख्शे नहीं जाएंगे। अगर कोई सोचता है कि वह पहले की तरह बचने का कोई रास्ता निकाल लेगा, तो ऐसा नहीं होगा। सरकार बदल चुकी है।

जनता नोटबंदी के साथ : प्रधानमंत्री ने कहा कि नोटबंदी के फैसले से लोगों को तकलीफ हुई। लेकिन लोगों ने इसका साथ दिया है। लोगों को गुमराह करने की कोशिशें भी हुईं। लेकिन वे गुमराह नहीं हुए। महाराष्ट्र के निकाय चुनाव में तो लोगों ने गुमराह करने वालों को जवाब भी दे दिया। मोदी की इस टिप्पणी को शिवसेना को जवाब माना जा रहा है, जो नोटबंदी पर सरकार का विरोध करती रही है।

और लिए जाएंगे कठोर फैसले : इससे पहले राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान के नए कैंपस का उद्घाटन करते हुए मोदी ने कहा कि उनकी सरकार देशहित में कड़े फैसले लेने से हिचकेगी नहीं। मोदी ने कहा, 'एक बात मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूं। हमारी सरकार अल्पकालीन राजनीतिक हित के लिए फैसले नहीं करेगी। जरूरत पड़ी तो हम देश के दूरगामी हित में कठोर फैसले लेने से पीछे नहीं हटेंगे।' मोदी ने कहा कि नोटबंदी से लोगों को कुछ समय के लिए परेशानी हुई, लेकिन इसके दूरगामी नतीजे अच्छे होंगे।

सियासी पारा गर्म, स्थायी नागरिकता की मांग तेज

जम्मू। पश्चिमी पाकिस्तानी रिफ्यूजियों को डोमिसाइल सर्टिफिकेट (अधिवास प्रमाणपत्र) देने के मुद्दे पर जम्मू में सियासत गर्मा गई है। पैंथर्स पार्टी ने पीडीपी-भाजपा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। जबकि कांग्रेस ने भाजपा पर रिफ्यूजियों को धोखा देने का आरोप लगाया। वहीं भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने सरकार से रिफ्यूजियों की स्थायी नागरिकता देने की मांग की। राज्य सरकार विशेषकर भाजपा के अलगाववादियों के आगे आत्मसमर्पण कर देने का आरोप लगाते हुए पैंथर्स पार्टी ने विरोध जताया।

कार्यकर्ताओं ने राज्य व केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कहा कि रिफ्यूजियों के साथ पिछले सत्तर वषरे से बेइंसाफी हो रही है। सरकार ने अलगाववादियों के आगे घुटने टेक दिए हैं। पार्टी के चेयरमैन हर्षदेव सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ता शनिवार सुबह ग्यारह बजे प्रेस क्लब के नजदीक प्रदर्शनी मैदान में पहुंच धरना-प्रदर्शन किया। बैनर पकड़े कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए भाजपा का पुतला फूंका। हर्षदेव सिंह ने कहा कि देश विभाजन के समय पश्चिमी पाकिस्तान के रिफ्यूजी जम्मू संभाग में बसे थे। स्थायी नागरिकता देने के मुद्दे पर कश्मीर केंद्रित पार्टियों ने इंसाफ नही दिया। पश्चिमी पाकिस्तान के रिफ्यूजी विधानसभा में मतदान देने से महरूम है। उनके बच्चे नौकरियां नहीं कर सकते। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह वायदा किया था कि रिफ्यूजियों को स्थायी नागरिकता प्रदान करने की कोशिशें होगी, लेकिन आज तक इस दिशा में कुछ नहीं हुआ है। हालत यह है कि पहचान पत्र देने के मामले पर इतना हंगामा हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अलगाववादियों के दवाब में आ गई है। अब तो भाजपा ने डोमिसाइल सर्टिफिकेट देने पर अपना रवैया ढुलमुल कर दिया है। हर्षदेव ने कहा कि पैंथर्स रिफ्यूजियों को स्थायी नागरिकता देने के मुद्दे पर अपना संघर्ष जारी रखेगी। प्रदर्शनकारियों में राजेश पडगोत्र, गगन प्रताप सिंह, नरेश चिब, एडवोकेट विलक्षण सिंह, केके शर्मा, राकेश गुप्ता व अन्य शामिल थे।

वेव्ज़ द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रिय सम्मेलन

'वैदिक ज्ञान की सत्यता का आधार उसकी वैज्ञानिकता'

डॉ. अपर्णा धीर

वर्ल्ड एसोसिएशन फॉर वैदिक स्टडीज़ और वाईडर एसोसिएशन फॉर वैदिक स्टडीज नामक दोनों संस्थाओं यानी वेव्ज़ ने भारतीय विद्या भवन के सौजन्य से 'वेव्ज़-2016' नामक चार दिवसीय अन्तर्राष्ट्रिय सम्मेलन का आयोजन किया। यह सम्मेलन वेव्ज़, यू.एस.ए का 12वाँ और वेव्ज़, भारत का 20वाँ सम्मेलन था, जो भारतीय विद्या भवन के दिल्ली केन्द्र में 15 से 18 दिसम्बर की तिथियों में आयोजित किया गया। सम्मेलन का उद्घाटन प्रो. महावीर अग्रवाल, पूर्व कुलपति, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय के करकमलों से हुआ।

WAVES 2016
"Scientific Aspects of Vedic Knowledge"

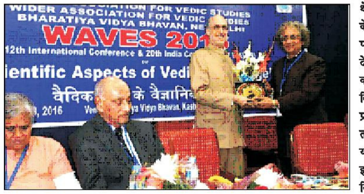

WIDER ASSOCIATION FOR VEDIC STUDIES
BHARATIYA VIDYA BHAVAN, NEW DELHI
WAVES 2016
12th International Conference & 20th India Conference
Scientific Aspects of Vedic
वैदिक ज्ञान के वैज्ञानिक
Bharatiya Vidya Bhavan, Kasturba Gandhi Marg

वेव्ज़ सम्मेलन के विषय 'वैदिक ज्ञान के वैज्ञानिक पक्ष' पर विचार रखने के लिए अमेरिका, बेलजीयम, ईज़राईल, नेपाल, फ्रांस जैसे देशों से श्री जैफ्री आर्मस्ट्रांग, डॉ. रोबर्ट एच. श्रीन्डर, डॉ. इन्द्राणी राम प्रसाद, डॉ. नरहरि आचार, डॉ. माकील स्टर्नफील्ड, प्रो. बलराम सिंह, श्रीमति मधु शर्मा, डॉ. कुमार नोचर, डॉ. चन्द खन्ना, डॉ. मदन लाल गोयल, डॉ. कोमा कर्पेन्टर, डॉ. जोन किम्मेन, डॉ. कोन्राड इल्स्ट, श्री निलेश ओक आदि प्रमुख 25 विदेशी और लगभग 150 भारतीय यथा- बैंगलोर से भक्ति निष्काम शान्ता, भक्ति निष्काम मुनि, प्रो. सी एल. प्रभाकर; कोलकत्ता से सोमा बसु; असम से डॉ. शकुन्तला; पंचकुला से आचार्य सन्तकुमार; जोधपुर से प्रो. राम गोपाल; पंजाब से डॉ. अरुणा शुक्ला; हरिद्वार से डॉ. प्रतिभा शुक्ला; दिल्ली से प्रो. शारदा शर्मा, डॉ. आर. एस. कौशल, प्रो. एस. आर. भट्ट, प्रो. रमेश भारद्वाज, डॉ. मदन मोहन बजाज, डॉ. सरोज गुलाटी, डॉ. सति शंकर, डॉ. उर्मिल रुस्तगी, श्री वाई के. वाधवा, डॉ. आर पी. सिंह, डॉ. प्रवेश सक्सेना, डॉ. ईश नारङ्ग; पडुचेरी से प्रो. के. श्रीनिवास; धामपुर से डॉ. पुनम घई; फरिदाबाद से डॉ. ललिता कुमारी जनुजा, डॉ. दिव्या त्रिपाठी; केरल से डॉ. एम. एस. शिब्बा, कानपुर से डॉ. नीलम त्रिवेदी; आन्ध्र प्रदेश से कर्नल मूर्ति; अजमेर से डॉ. अनिता खुराना; बरेली से डॉ. श्वेतकेतु शर्मा आदि विद्वानों ने भाग लिया।

सम्मेलन में कुल 22 सत्रों में मुख्य व्याख्यान, परिचर्चा, स्काईप प्रस्तुतीकरण, समानन्तर एवं पोस्टर सत्रों में प्रतिभागियों ने अपने विचारों को व्यक्त किया। प्रत्येक सत्र में संस्कृत, हिन्दी और आङ्ग्ल भाषाओं में शोध-पत्र प्रस्तुत किये गये। प्रश्नोत्तर द्वारा पत्र-वाचकों के साथ संवाद

शेष भाग 2 पर

एनडीएमसी ने आयोजित किया फूड फेस्ट, 30 दिसंबर तक चलेगा

नई दिल्ली। पुरानी दिल्ली के रेशमी कबाब, मुगलई बिरयानी, दौलत की चाट व चाट-पकौड़ी का स्वाद लेने के लिए आपको पुरानी दिल्ली का रुख नहीं करना होगा। पुरानी दिल्ली के बेहतरीन जायकों का लुत्फ कनॉट प्लेस स्थित बाबा खड़ग सिंह मार्ग पर आयोजित फूड फेस्ट में ले सकते हैं। इस मेले में लखनऊ की लजीज बिरयानी को भी चखने का मौका मिलेगा। इसके अलावा राजस्थान की प्याज कचौरी, बिहार का लिट्टी-चोखा और बनारस के पान का स्वाद भी लिया जा सकता है।

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) द्वारा आयोजित इस फूड फेस्ट में 60 से ज्यादा नामी गिरामी रेस्तरां भाग ले रहे हैं। यहां करोलबाग की मशहूर गणेश फिश कॉर्नर की मछली के कई जायके भी खाने को मिलेंगे। गणेश फिश कॉर्नर के मुख्य शेफ प्रेम कुमार चम्मच से नहीं बल्कि हाथ से ही मछली फ्राइ करते हैं। पुरानी दिल्ली की गलियों में इन दिनों मिलने वाले दौलत की चाट का भी स्टॉल लगा है। दौलत की चाट बनाने वाले खेमचंद कुमार ने कहा कि पुरानी दिल्ली में चाट चाव से खाया जाता है। नई दिल्ली में रहने वाले भी इसका स्वाद ले सकते हैं। फूड फेस्ट में रंग जमाने के लिए राजस्थान के लोक कलाकार भी पहुंचे हुए हैं, जो आपको प्रस्तुती देते दिखाई देंगे। शुक्रवार को शुरू हुआ यह फूड फेस्ट 30 दिसंबर तक चलेगा।

दिल्ली सरकार भी अब कैशलेस की राह पर

नई दिल्ली। नोटबंदी से दिल्ली वालों को हो रही परेशानी को देखते हुए दिल्ली सरकार अपने उन सभी विभागों का कामकाज कैशलेस करने जा रही है जिनसे आम आदमी का सीधे वास्ता पड़ता है। इस कड़ी में सबसे पहले शुरुआत परिवहन विभाग से की गई थी और अब स्कूलों और कॉलेजों में भी कैशलेस की सुविधा उपलब्ध कराने की है। जनवरी से शुरू होने जा रहे नर्सरी दाखिला प्रक्रिया भी पूरी तरह कैशलेस होगी। इसके लिए सभी निजी स्कूलों को विशेष दिशा.निर्देश जारी किए गए हैं।

नर्सरी दाखिले में निजी स्कूलों की मनमानी व मनमाफिक फीस को लेकर अभिभावकों को जो शिकायत रहती हैए अब कैशलेस सुविधा उपलब्ध कराने से शिकायत दूर होने के आसार हैं। दिल्ली सरकार के अधीन आने वाले 28 कॉलेजों में भी पूरी तरह कैशलेस सुविधा उपलब्ध कराने का फैसला लिया गया है। फीस भुगतान से लेकर शिक्षकए प्रोफेसर व अन्य कर्मचारियों को वेतन व अन्य मद में जो भी भुगतान किया जाता है वह पूरी तरह कैशलेस हो यह सुनिश्चित किया जाए। नोटबंदी के बाद दिल्ली सरकार के अधीन आने वाले डीयू का लक्ष्मीबाई कॉलेज में सबसे पहले कैश की कमी से निपटने को एक खास तरीका अपनाया और कॉलेज आइकार्ड को ही बना दिया स्मार्ट मनी कार्ड। कॉलेज प्रशासन ने संबंधित बैंक शाखा के माध्यम से सभी छात्रओं के आइकार्ड को ही स्मार्ट कार्ड का रूप दे दिया। उसी कार्ड को कॉलेज कैंपस के भीतर कैंटीन से लेकर फोटोकॉपी कराने तक के लिए इस्तेमाल कर रही है। बैंक ऑफ इंडिया के सहयोग से जारी किए गए इस स्मार्ट आइ कार्ड से लाइब्रेरी से ली गई किताबों का ब्योरा हो या फिर फाइन हर चीज का भुगतान किया जा सकता है। यह कार्ड खो जाए तो उसे बैंक में जाकर बंद भी कराया जा सकता है। अभी यह कार्ड कैंपस के अंदर ही कारगर हैए लेकिन इसमें कुछ सुविधाएं जोड़कर बाहर भी प्रयोग किया जा सकेगा।

अब कभी अकेले भारत नहीं आऊंगी

नई दिल्ली। कनॉट प्लेस के पांच सितारा होटल में सामूहिक दुष्कर्म की शिकार हुई अमेरिकी युवती ने दिल्ली पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। पिछले पांच दिनों से पुलिसकर्मियों के सवालों का जवाब दे.देकर परेशान हो चुकी पीड़िता ने कहा है कि वह दोबारा अकेले कभी भारत नहीं आएगी। यहां खूब दुष्कर्म की घटनाएं होती हैं और उसका निबटारा भी नहीं होता है। कनॉट प्लेस में मीडियाकर्मियों से बातचीत में पीड़िता ने कहा कि उसके साथ होटल में दरिंदगी हुई। उसने दिल्ली पुलिस से शिकायत की बावजूद इसके उसके आरोपियों को अब तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। दुष्कर्म के मामले में दोषियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। बगैर इसके भारत की छवि नहीं बदलेगी। युवती ने कहा कि उसकी समझ के मुताबिक भारत में दुष्कर्म और पर्यटकों के खिलाफ होने वाले अपराध के लिए अभी काफी कुछ करने की जरूरत है। उसके मामले को दिल्ली पुलिस जिस प्रकार से हैंडल कर रही उससे वह संतुष्ट नहीं है। वह अप्रैल के पहले हफ्ते पर्यटक समूह के साथ भारत आई थी। तीन पर्यटक और दो होटल स्टाफ ने उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना के वक्त उसके दिलो दिमाग में दहशत भर गई थी। वह इंसाफ चाहती है। ऐसा सिर्फ उसका दर्द नहीं है। दुष्कर्म एक वैश्विक मुद्दा बन चुका है। पुलिस को चाहिए कि आरोपियों को गिरफ्तार करे।

ऐसे तो एसएसपी भी नहीं बन पाएंगे केपीएस

संवाददाता

जम्मू। कश्मीर पुलिस सेवा (केपीएस) के अधिकारियों की पदोन्नति को लेकर जो नियम बनाए जा रहे हैं, अगर उन पर मंत्रिमंडल की मुहर लग जाती है तो कई केपीएस एसएसपी तक के पद पर भी नहीं पहुंच पाएंगे। यही नहीं, उन्हें समय के साथ ग्रेड तक नहीं मिल पाएगा।

राज्य में इस समय 400 से अधिक केपीएस हैं। साल 2010 के बाद से ही करीब 200 केपीएस पास आउट होकर अपनी सेवा दे रहे हैं। इन अधिकारियों के लिए आगे की राह सबसे कठिन है। केपीएस कैडर रिव्यू के लिए गठित कैबिनेट सब कमेटी को जो प्रस्ताव सौंपे गए हैं, अगर वे लागू होते हैं तो डीआइजी और आइजी बनना तो दूर, अधिकांश एसएसपी पद पर भी नहीं पहुंच पाएंगे। इस समय एसपी और एसएसपी स्तर के 221 पद हैं। उनमें पदोन्नति के लिए पचास प्रतिशत पदोन्नति टाइम स्केल पर करने का प्रावधान है। तीस प्रतिशत पदोन्नतियां एसपी सिलेक्शन ग्रेड एक और बीस प्रतिशत पदोन्नतियां एसपी सिलेक्शन ग्रेड दो की होगी। मगर इसके लिए जो समय सीमा निर्धारित की जा रही है, उसमें एसएसपी तक पहुंचने के लिए पच्चीस से तीस वर्ष लग जाएंगे। नियमों के अनुसार, पांच साल की सेवा के बाद डीएसपी को सिलेक्शन ग्रेड मिल जाना चाहिए, मगर नए प्रस्ताव में डीएसपी को सिलेक्शन ग्रेड मिलने में कम से कम दस साल लगेंगे। एसपी टाइम स्केल (6600) के लिए पंद्रह से अठारह साल, एसपी सेलेक्शन ग्रेड एक (7600) के लिए 23 से 27 साल और एसपी सिलेक्शन ग्रेड दो (8700) के लिए तीस साल लग जाएंगे। प्रस्ताव में समय के साथ ग्रेड देने का कोई भी प्रावधान नहीं है। प्रस्ताव से केपीएस अधिकारियों में रोष है। वे शनिवार को उप मुख्यमंत्री डॉ. निर्मल सिंह से भी मिले। उन्होंने समयबद्ध पदोन्नति का लाभ देने को कहा। अगर यह प्रस्ताव लागू होता है तो इससे उनके भविष्य पर असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि पांच साल की सेवा होने के बाद अगर उनकी पदोन्नति नहीं भी होती है तो उन्हें अगला ग्रेड मिलना चाहिए। उन्हें उच्च पद तभी दिया जाए, जब पद रिक्त हो। उपमुख्यमंत्री ने मांगों को जायज ठहराते हुए उन पर गौर करने का आश्वासन दिया है।

अभी तक नहीं बना अलग कैडर

केपीएस अधिकारियों के साथ एक विडंबना यह है कि उनका अलग से कैडर नहीं बन पाया है। पहली बार वर्ष 1984 में केपीएस की सीधी नियुक्ति हुई थी। हिमाचल सहित सभी राज्यों में अलग से कैडर बनाया है। इससे उन्हें पदोन्नति और ग्रेड तक नहीं मिल पाता है। राज्य में केपीएस को पंद्रह साल की सेवा के बाद एसएसपी बनाए जाने का प्रावधान है। ऐसा होता नहीं है। 2001 बैच के केपीएस को तेरह साल बाद पदोन्नति मिली थी। 2014 बैच के केपीएस को 11 साल बाद पदोन्नति मिली थी।

कालाधन जांच के नाम पर ठगी खाते से 41 हजार रुपये उड़ाए

पूर्वी दिल्ली। एक तरफ नोटबंदी की वजह से लोगों को खाते से रकम निकालने में मुश्किल हो रही है। वहीं कुछ शातिर कालाधन की जांच के नाम पर लोगों को ठगने में लगे हुए हैं। ऐसा ही मामला जाफराबाद इलाके में सामने आया है। बैंककर्मी बनकर एक ठग ने स्क्रैप कारोबारी रिजवान मलिक (27) को खाता बंद करने की धमकी देकर ओटीपी (वन टाइम पासवर्ड) जान लिया और खाते से 41 हजार रुपये ई-वॉलेट में ट्रांसफर कर लिया। इस मामले में रिजवान ने थाने में शिकायत की तो उसे टरका दिया गया। अब उन्होंने पुलिस उपायुक्त से शिकायत कर मामला दर्ज करवाने की गुहार लगाई है।

रिजवान परिवार के साथ गली नंबर-34, जाफराबाद में रहते हैं। उनका वेलकम स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में खाता है। गत 24 नवंबर को एक शख्स ने उनके मोबाइल पर कॉल की और खुद को एसबीआइ मुंबई का प्रतिनिधि बताया।

उसने कहा कि वह नोटबंदी के बाद बैंक के खातों में ब्लैक मनी की जांच कर रहा है। आपका डेबिट कार्ड बंद न हो, इसके लिए कुछ औपचारिकताएं पूरी करनी होंगे। ऐसा न करने पर आपका कार्ड बंद कर दिया जाएगा। आरोपी ने रिजवान से कई जानकारी ली। अंत में उसने ओटीपी मांगा, मना करने पर कार्ड बंद करने की धमकी दी। ओटीपी नंबर देते ही फोन कट गया।

इसके कुछ ही देर बाद मोबाइल पर मैसेज आया कि आपके खाते से 41 हजार रुपये कट गए हैं।

रिजवान ने जब कस्टमर केयर में बात की तो उसे ठगी का अहसास हुआ उसने तुरंत कार्ड ब्लॉक करवाया और थाने में शिकायत करने पहुंचा। लेकिन पुलिसकर्मी उसे टरकाते रहे और अब तक मामला दर्ज नहीं किया है। इस वजह से रिजवान ने मामले में पुलिस उपायुक्त से शिकायत की है।

पृष्ठ 1 का शेष

वेव्ज़ द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रिय सम्मेलन

इस सम्मेलन की विशेषता रही। 'भारतीय विद्या और वैदिक ज्ञान की आधुनिक सन्दर्भ में प्रासंगिकता' पर युवाओं ने भी परस्पर विचार-विमर्श किया। इसमें प्रमुखतः डॉ. रणजित बेहेरा, डॉ. वेद मित्र शुक्ल, डॉ. अपर्णा धीर एवं डॉ. कैलाश चन्द ने युवा-शोधार्थिओं का प्रतिनिधित्व किया। इस अवसर पर सांस्कृतिक गतिविधियों के अन्तर्गत दिनांक 16 दिसम्बर को दिल्ली विश्वविद्यालय के लेडी श्रीराम महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा महर्षि बौद्धायन संगृहीत 'भगवदज्जुकम्' नामक नाटक का मंचन किया गया और दिनांक 17 दिसम्बर को 'योग के इतिहास' पर डॉ. दीपिका कुमारी द्वारा निर्मित एक वृत्तचित्र का प्रस्तुतीकरण भी किया गया।

इस अन्तर्राष्ट्रिय सम्मेलन में वेद की वैज्ञानिकता को दार्शनिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, पौराणिक, धर्मशास्त्रीय, खगोलीय जैसे कई पक्षों के आधार पर सिद्ध करने का प्रयास किया गया। चार दिवसीय इस सम्मेलन में लगभग बीस राष्ट्रिय-अन्तर्राष्ट्रिय विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों के अध्यापकों, छात्र-छात्राओं नें भाग ग्रहण किया यथा- दिल्ली विश्वविद्यालय, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, गुहावटी विश्वविद्यालय, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, मुम्बई विश्वविद्यालय, इन्स्टिटयूट ऑफऐड्वान्स्ट साइन्सीस (डार्टमोथ), कोलोराडो विश्वविद्यालय, डेनवर विश्वविद्यालय इत्यादि।

सम्मेलन का समापन संस्कृत के ख्याती प्राप्त भारतीय-अन्तर्राष्ट्रिय विद्वानों की उपस्थिती में हुआ। समापन सत्र में भारतीय विद्या भवन के दिल्ली केन्द्र के अध्यक्ष श्री अशोक प्रधान, वेव्ज़ संस्था के संस्थापक प्रो. भूदेव शर्मा, वेव्ज़-यू.एस.ए के अध्यक्ष श्री शशि केजरीवाल, वेव्ज़-यू.एस.ए के कोषाध्यक्ष श्री धीरेन्द्र शाह, वेव्ज़-भारत के उपाध्यक्ष प्रो. लक्ष्मन प्रसाद, वेव्ज़-भारत की महासचिव प्रो. शशि तिवारी, मुख्यातिथि लंदन से पधारे डॉ. पाल पालमारोजा तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. हरे राम मिश्रा ने सम्मेलन के विषय की गम्भीरता को प्रकट करते हुए सम्मेलन के आयोजकों एवं प्रतिभागियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन किया।